

प्रेषक,

आर०मीनाक्षी सुन्दरम,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण
जौलीग्राण्ट एयरपोर्ट देहरादून।

नागरिक उड्डयन अनुभाग

देहरादून

दिनांक ०३-दिसम्बर, 2016

विषय:-जनपद पिथौरागढ़ स्थित नैनी-सैनी हवाई पट्टी में प्ले ग्राउण्ड/मिनी स्टेडियम के निर्माण कार्य हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त नियंत्रक उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के पत्र संख्या 411/यूकाडा/2016-17 दिनांक 07 अक्टूबर, 2016 के द्वारा नैनीसैनी हवाई पट्टी के विस्तारिकरण एवं सुदृढीकरण कार्यों के अन्तर्गत प्ले ग्राउण्ड/मिनी स्टेडियम के निर्माण कार्य हेतु गठित आंगणन धनराशि रु० 98.59 लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत धनराशि रु० 60.00 लाख का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हुए शेष धनराशि रु० 38.59 लाख की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

अवगत कराना है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में शासनादेश संख्या-37(4) 2016/22 /IX/2009 टी०सी० दिनांक 04 मार्च 2016 के द्वारा उक्त कार्य हेतु धनराशि 60.00 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी थी। अतः आंगणन की धनराशि रु० 98.59 लाख से पूर्व में स्वीकृत धनराशि रु० 60.00 लाख को घटाकर अवशेष धनराशि रु० 38.59 लाख (रुपये अड़तिस लाख उन्सठ हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखते हुए निम्न प्रतिबन्धों के साथ व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1)-उक्त धनराशि व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा इस संबंध में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- (2)-कार्य कराने से पूर्व भूवैज्ञानिक के सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित कर लिया जाय।
- (3)-उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा इसमें सम्बन्धित शासनादेशों का अनुपालन किया जाय।
- (4)-योजना कार्य के तकनीकी स्वरूप को देखते हुए, निर्माण होने के पश्चात आगामी तीन वर्षों के लिए annual maintenance contract (AMC) किये जाने की व्यवस्था/प्राविधान किया जाय।
- (5)-स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण 31 मार्च, 2017 तक अवश्य कर लिया जाय। निर्माण कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति निर्धारित प्रपत्र पर शासन एवं निदेशालय द्वारा राजकोष से आहरित करके यूकाडा के खाते में जमा की जायेगी। यूकाडा द्वारा कार्यदायी संस्था की मांग के अनुसार चरणबद्ध रूप से धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

(6)–धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(7)–इस संबंध में व्यय विवरण तथा आवश्यक बाउचर आदि सुरक्षित रखे जायेंगे।

(8)–कार्यदायी संस्था को आवंटित कार्य निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा तथा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित निर्माण इकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

(9)–इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016–17 के अनुदान संख्या–24 के लेखाशीर्षक 5053–नागर विमानन पर पूंजीगत परिव्यय 02–विमानपत्तन 800–अन्य व्यय आयोजनागत 99–नैनीसैनी हवाई पट्टी का विस्तारीकरण 24–वृहद निर्माण कार्य मद के नाम डाला जायेगा।

(10)–यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0स0–847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26 सितम्बर, 2016 में जारी दिशानिर्देश/सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर0 मीनाक्षी सुन्दरम)
सचिव।

संख्या–०३ (1)/2012/22/ ix/2009, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, नागरिक उड्डयन निदेशालय जौलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी–1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
3. महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड ओबेराय, मोटर्स, बिल्डिंग माजरा देहरादून।
सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन
4. आयुक्त, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
5. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
6. मुख्य कोषाधिकारी, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
7. वित्त अनुभाग–2
8. परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि0 देहरादून।
9. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चिरंजी लाल)
अनु सचिव।